

भास्कर एक्सप्रेससिव

इंटरनेट रेडियो के जरिए तकनीकी कॉलेजों के 10 लाख छात्र जुड़ेंगे

- एआईसीटीई के कॉलेजों के छात्रों के लिए पहल
- दूसरे कॉलेजों के छात्र भी ऑनलाइन लेक्चर सुन पाएंगे

अमित कुमार निरंजन | नई दिल्ली

जरूरी बातें

एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन) से जुड़े कॉलेजों में हफ्ते भर में इंटरनेट रेडियो शुरू किया जाएगा। यह इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के उन छात्रों के लिए मुख्य प्लेटफॉर्म होगा जो पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में आगे रहते हैं। कविता लेखन, गायन, वाद्ययंत्र बजाने वाले छात्र अपना हुनर दूसरे कॉलेज के बच्चों तक पहुंचा पाएंगे। इसके अलावा छात्र दूसरे कॉलेजों के शिक्षकों के लेक्चर भी सुन पाएंगे। आपात स्थिति में भी मदद मांग या भेज पाएंगे। इस इंटरनेट रेडियो से एआईसीटीई का मुख्यालय भी जुड़ेगा यानी उसका भी अपना इंटरनेट रेडियो होगा। एआईसीटीई से संबद्ध करीब साढ़े दस हजार कॉलेजों के दस लाख छात्रों को इसका फायदा मिलेगा।

कैसे काम करेगा: तकनीकी कॉलेज को कैपस रेडियो एप डाउनलोड करना होगा। इसके बाद वह चैनल बना सकेगा। छात्र भी एप पर रजिस्टर्ड होंगे। इसके बाद वे इससे जुड़े कॉलेजों के लेक्चर और कार्यक्रम सुन सकेंगे।

आईआईएम-आईआईटी इसमें शामिल नहीं: एआईसीटीई से संबद्ध कॉलेज ही इसमें रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। आईआईटी, आईआईएम जैसे संस्थान इसमें शामिल नहीं हैं।

कार्यक्रमों की जानकारी एप से मिलेगी: रेडियो पर कार्यक्रम कितनी देर और कब चलेगा ये कॉलेज तय करेंगे। कार्यक्रमों की जानकारी एप से मिलेगी। कंटेंट की निगरानी भी कॉलेज ही करेंगे।